मेरा छोटा सा निजी पुस्तकालय

लेखक– धर्मवीर भारती

लेखक–धर्मवीर भारती

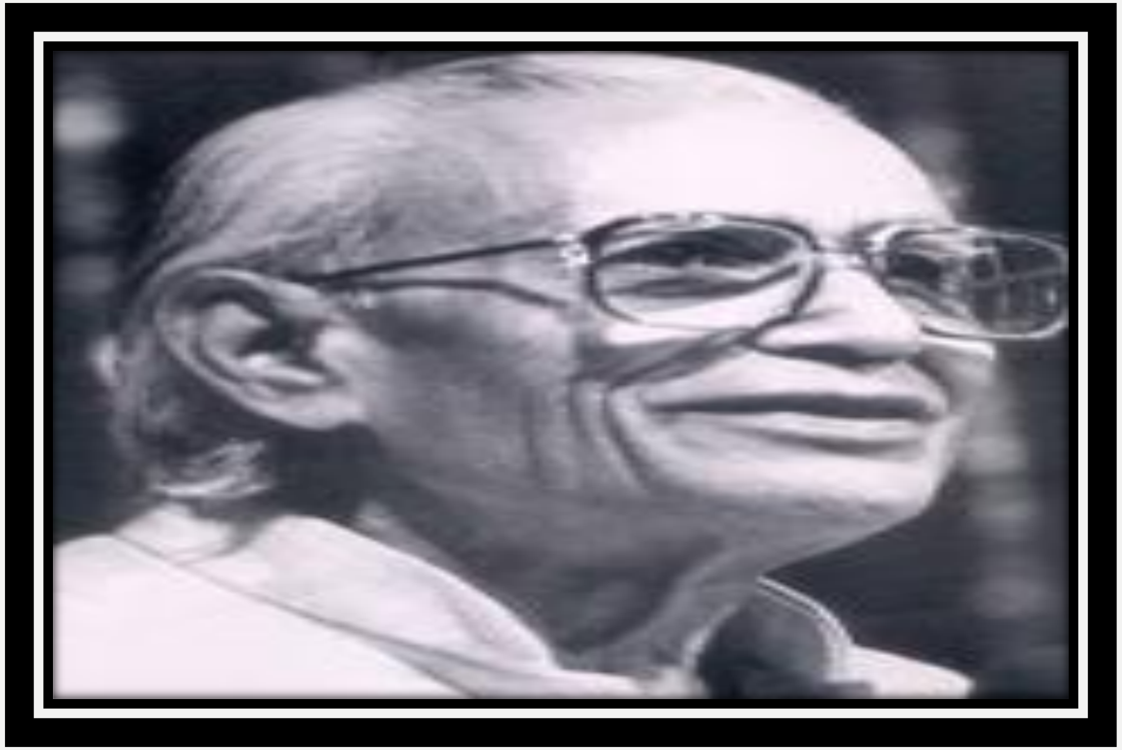

परिचय

जन्म : 25 दिसंबर, 1926
भाषा : परिमार्जित खड़ीबोली
विधाएँ : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, कविता, आलोचना

मुख्य कृतियाँ

लेखक के पिता आर्य समाजी विचारधारा के थे ।लेखक की मां ने भी स्त्री शिक्षा के लिए आदर्श कन्या पाठशाला की स्थापना की थी इस प्रकार घर में पढ़ने लिखने का वातावरण था। घर में अनेक पत्रिकाएं आती थी ।इन पत्रिकाओं से लेखक को पढ़ने की चाह लग गई। घर में पुस्तकें भी काफी थी।लेखक को चौथी कक्षा की परीक्षा में अंग्रेजी में सबसे ज्यादा अंक लाने के लिए अंग्रेजी के दो पुस्तकें इनाम में मिली ।

पिताजी ने अलमारी का एक खाना खाली करके उसकी किताबों के लिए दे दिया और कहा आज से यह खाना तुम्हारी अपनी किताबों का यह तुम्हारी अपनी लाइब्रेरी है। इस प्रकार लेखक का अपना निजी पुस्तकालय प्रारंभ हुआ। इससे हमें यह भी प्रेरणा मिलती है कि हमें भी अपना निजी पुस्तकालय विकसित करना चाहिए यह एक अच्छी आदत है।